

**भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे द्वारा "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत
"स्वच्छता पखवाड़ा" के अवसर पर "किसान दिवस" समारोह 23 दिसंबर 2021 को आयोजित
किया**

भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे ने 23 दिसंबर, 2021 को संस्थान के परिसर में "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत "स्वच्छता पखवाड़ा" के अवसर पर "किसान दिवस" का आयोजन किया। डॉ. आरजी सोमकुवर, निदेशक, ने भारत में खाद्य सुरक्षा के संबंध में किसानों के योगदान को संबोधित किया। उन्होंने शोधकर्ताओं और अंगूर उत्पादकों के सामने जलवायु परिवर्तन की वर्तमान चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया और उल्लेख किया कि सुरक्षित अंगूर उत्पादन प्राप्त करने के लिए किस तरह की रणनीतियों को लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि स्वच्छता की दिशा में सरल कदम हमारे स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार कर सकते हैं और दैनिक जीवन की गतिविधियों में उत्पादक उत्पादन दे सकते हैं। इसी तरह, डॉ. कौशिक बनर्जी ने अपने भाषण में अंगूर को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के साथ अवशेष मुक्त बनाने की रणनीतियों और तरीकों के बारे में बताया, जिससे अंगूर का निर्यात बढ़ सकता है और अंततः यह किसानों के लिए उत्पादन के लिए उच्च मूल्य प्राप्त करने के लिए बहुत फायदेमंद होगा। अतिथि किसान श्री राजेंद्र वाघमोड़े और श्री नंदकुमार घाडगे ने भी अंगूर के बागों में गुणवत्तापूर्ण अंगूर उत्पादन इस संस्थान के योगदान के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। डॉ. पी.एच. निकुंभे ने परिचयात्मक टिप्पणी दी और कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया और श्री उत्तम बोरसे के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ।

ICAR- National Research Centre for Grapes, Pune organized a "Kisan Day" on the occasion of Swachhata Pakhawada under Azadi ka Amrit Mhotsav in campus of Institute on 23th Dec., 2021. Dr. R. G. Somkuwar, Director (A), ICAR – NRCG, Pune addressed the contribution of farmers with respective to food security in India. He focused on present challenges of climate change in front of researchers and grape growers and mentioned that what kind of the strategies to be applied for getting secured grapes production. He also mentioned the simple's steps towards cleanliness can improve our health status and can give productive output in day to day life activities. Similarly, Dr. Kaushik Banerjee mentioned in his talk regards to strategies and ways to make grapes produce residue free with quality production that can leads to increase grapes export and ultimately it will be very beneficial to farmers for getting higher price to produce. Guest farmers Shri Rajendra Waghmode and Shri Nandkumar Ghadge also shared their experiences on the contribution of the Institute for quality grape production in grape vineyards. Dr. P. H. Nikumbhe gave introductory remarks and anchored the programme. The programme was attended by 85 participants and concluded with vote of thanks by Mr. Uttam Borse.

